मुजफ्फरपुर, 6 जनवरी 2016 दैनिक जागरण

लीची अनुसंधान केंद्र में किसान-व्यापारी संवाद

- लीची फसल का मुआवजा नहीं मिलने पर निदेशक से मिले किसान
- अनुसंधान केंद्र निदेशक ने बताया लीची प्रबंधन का गुर

मुशहरी (मुजफ्फरपुर), संसं :राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र में किसान व व्यवसायियों के बीच संवाद का आयोजन किया गया। केन्द्र निदेशक डॉ. विशालनाथ ने लीची फसल के प्रबंधन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। संवाद में प्रधान वैज्ञानिक डॉ.एसके पूर्वे ने तोड़ाई उपरांत फल, विपणन प्रबंध व डॉ.कुलदीप श्रीवास्तव ने कीट प्रबंधन तथा डॉ.एसडी पांडेय ने उत्तम कृषि क्रियाएं के बारे में जानकारी दी। संवाद में किसान श्री मुरलीधर शर्मा, प्रगतिशील किसान व चाणक्य विद्यापति सोसायटी के संरक्षक शंभूनाथ चौबे, भवानी शंकर, मो. निजाम, दुर्गेश जायसवाल सुधीर पांडेय कृष्ण मुरारी सिंह आदि शामिल थे।

किसान नेता विरेन्द्र राय ,चंदेश्वर चौधरी के नेतृत्व में लीची किसान एवं व्यापारियों ने लीची अनुसंधान केन्द्र के निदेशक को लीची की फसल बर्बाद होने के बाद भी किसानों को कोई लाभ नहीं से मिलने से अवगत कराया तथा आक्रोश जाहिर किया। आंदोलन की चेतावनी दी उद्यान रत्न किसान भोलानाथ झा ने लीची फसल क्षति नहीं मिलने पर आक्रोश जताया।

> इस केन्द्र में सिर्फ शोध कार्य होता है। किसानों को लीची फसल का मुआवजा नहीं मिलने में इस केन्द्र का कोई भूमिका नहीं है।
>
> -डॉ. विशाल नाथ
> निदेशक
> राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र